भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2818
दिनांक 18 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम

2818. श्री अरुण भारती:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2024 में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के अंतर्गत भारत के विभिन्न क्षेत्रों में खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस टीकाकरण की सफलता दर का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त कार्यक्रम के चल रहे टीकाकरण अभियानों के अंतर्गत टीका लगाए गए पशुओं के लिए पशुधन उत्पादकता मेट्रिक में कोई सुधार हुआ है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्ष 2024 में पशुपालक भेड़ और बकरियों को शामिल करने के लिए कार्यक्रम के कवरेज का विस्तार करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं और एफएमडी घटनाओं पर उनका क्या प्रभाव पड़ा है;

(घ) वर्ष 2024 में मादा गोजातीय बछड़ों में ब्रुसेलोसिस की घटनाओं पर वार्षिक टीकाकरण के बाद क्या प्रभाव देखा गया है; और

(ङ) विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यक्रम की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

क) वर्ष 2024 में भारत में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस टीकाकरण की सफलता दर का विवरण निम्नानुसार है:

i. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के तहत खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) के लिए टीकाकरण 100% केंद्रीय सहायता के अंतर्गत कवर किया गया है। देश में वर्ष 2024 के दौरान लगभग 44.57 करोड़ एफएमडी टीके और 1.61 करोड़ ब्रुसेला टीके लगाए गए हैं।

ii. हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ एफएमडी और ब्रुसेलोसिस के लिए गुणवत्ता परीक्षण किए गए टीकों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करके टीकाकरण कार्यक्रम का कवरेज प्रतिशत पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है।

iii. इसके परिणामस्वरूप औसत टीकाकरण के बाद एंटीबॉडी टाइटर में सुधार हुआ है सीरोमॉनीटरिंग डेटा के अनुसार, पिछले दौर में टीकाकरण के बाद सुरक्षात्मक टाइटर क्रमशः सीरोटाइप ओ, ए और एशिया 1 के लिए पिछले दौर के 68.0%, 63.6% और 66.0% से बढ़कर क्रमशः 82.3%, 76.7% और 78.7% हो गए हैं।

iv. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एफएमडी के प्रकोप की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर वर्ष 2023 में 49 हो गई है। इसी तरह, ब्रुसेलोसिस का प्रकोप वर्ष 2019 में 20 से घटकर वर्ष 2023 में 8 हो गया।

(ख) समग्र पशुधन उत्पादकता पोषण, प्रबंधन, टीकाकरण और अन्य पशु चिकित्सा देखभाल कारकों से प्रभावित होती है। एनएडीसीपी के तहत पशुओं के टीकाकरण के संबंध में पशुधन उत्पादकता मेट्रिक्स पर कोई विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, टीकाकरण रोग के बोझ को कम करके पशुधन उत्पादकता बढ़ाने में मदद करता है।

सरकार की विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप पिछले दशक में दूध उत्पादन में उल्लेखनीय, यानी 63.5% की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014-15 में 146.31 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 239.3 मिलियन टन हो गया है। इस अवधि के दौरान, सभी पशु श्रेणियों की उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है, जिसमें डिस्क्रिप्ट, नॉन डिस्क्रिप्ट गोपशु, भैंस और वर्णसंकरित गोपशु शामिल हैं।

(ग) डीएएचडी ने वर्ष 2024 में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों में चरवाहों की भेड़ और बकरियों सहित भेड़ और बकरियों के प्रभावी टीकाकरण कवरेज के लिए एफएमडी वैक्सीन की आपूर्ति शुरू की है। इसका उद्देश्य कार्यक्रम के अनुसार निश्चित अवधि के लिए द्वि-वार्षिक टीकाकरण के माध्यम से एफएमडी की घटनाओं को कम करना है। टीकाकरण का केवल एक चरण ही चलाया गया है और इसका कोई प्रभाव आकलन नहीं किया गया है।

(घ) वर्ष 2024 के दौरान, एनएडीसीपी के तहत देश में 4.57 करोड़ से अधिक बछड़ियों को टीका लगाया गया है, जिससे रोग के प्रसार में उल्लेखनीय कमी आई है।

(ङ) विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के माध्यम से कार्यक्रम की प्रभावशीलता के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की रूपरेखा निम्नानुसार है:

i. विभाग ने नियमित गुणवत्ता परीक्षण, सीरो-निगरानी, सीरो-मॉनिटरिंग और नमूनाकरण योजनाओं के साथ एफएमडी के टीकाकरण कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित किया है।

ii. टीकाकरण सहायक उपकरण की खरीद, कोल्ड चेन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iii. एनएडीसीपी के तहत कवर किए गए रोगों की नियमित सीरोमॉनिटरिंग और सीरो निगरानी के लिए राज्यवार नमूनाकरण योजना तैयार की गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय खुरपका और मुंहपका रोग संस्थान (एनआईएफएमडी)-भुवनेश्वर, आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई)-बरेली, आईसीएआर-आईवीआरआई-बेंगलुरु, आईसीएआर-राष्ट्रीय पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान और रोग सूचना विज्ञान संस्थान (एनआईवीईडीआई)-बेंगलुरु और चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान-बागपत को एफएमडी से संबंधित कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

v. संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के लिए एफएमडी और ब्रुसेला वैक्सीन की खरीद और आपूर्ति केंद्रीय रूप से की जाती है।

vi. पशुधन के पंजीकरण और टीकाकरण से संबंधित डेटा भारत पशुधन पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

******